लोक प्रशासन के लिए एनएलयू में सुशासन प्रशिक्षण शुरू



डीओपीटी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में प्रभावी शासन व नैतिक पर्यवेक्षण पर विशेषज्ञ देंगे विचार

22.9.2021, P-9

जोधपुर @ पत्रिका. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) जोधपुर में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) भारत सरकार के सहयोग से 'लोक प्रशासन के लिए सुशासन, जवाबदेही एवं नैतिक पर्यवेक्षण' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हुआ।

कार्यक्रम 21 से 25 सितंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य लोक प्रशासन में सुशासन, जवाबदेही, पारदर्शिता, नैतिकता और प्रभावी पर्यवेक्षण के सिद्धांतों की समझ विकसित करना है। उद्घाटन सत्र में एनएलयू जोधपुर की कुलगुरु हरप्रीत कौर ने प्रभावी शासन के महत्त्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था तभी परिणामोन्मुखी बनती है, जब सभी हितधारक अपनी ज़िम्मेदारियों और नैतिक दायित्व का निर्वहन करते हैं। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के अध्यक्ष रह चुके एम. एस. साहू ने मुख्य अतिथि के रूप में सार्वजनिक संस्थानों में सुशासन, जवाबदेही और नैतिक पर्यवेक्षण पर विचार साझा किए। एनएलयू जोधपुर की कुलसचिव सुनीता पंकज ने स्वागत उद्बोधन दिया।

पहले दिन कॉर्पोरेट गवर्नेंस और नियामकीय ढांचे पर तीन तकनीकी सत्र हुए। एम. एस. साहू ने लोक प्रशासन में कॉर्पोरेट गवर्नेंस के विकास पर, रूथ वैफेई और आदित्य बहेटी ने नियामकीय संरचना पर तथा संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) की क्षेत्रीय प्रतिनिधि रह चुकी आशिता मित्तल ने शासन विफलताओं पर चर्चा की।

एनएलयू: लोक प्रशासन में प्रशासनिक चुनौतियों पर विशेषज्ञों का मंथन शुरू

हितधारकों की जवाबदेही व दायित्वों के निर्वहन पर जोर



कॉर्पोरेट गवर्नेंस, नियामकीय ढांचे व संस्थागत विफलताओं पर 3 सत्र हुए।

सिटी रिपोर्टर | जोधपुर

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सहयोग से 'लोक प्रशासन के लिए सुशासन, जवाबदेही एवं नैतिक पर्यवेक्षण' विषय पर प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हुआ। 25 सितंबर तक आयोजित होगा।

उद्घाटन सत्र में कुलगुरु प्रो. हरप्रीत कौर ने प्रभावी और परिणामोन्मुखी शासन के लिए सभी हितधारकों की जवाबदेही, जिम्मेदारियों और नैतिक दायित्वों के निर्वहन पर जोर दिया। मुख्य अतिथि पूर्व आईबीबीआई अध्यक्ष डॉ. एमएस साहू ने सार्वजनिक संस्थानों में सुशासन, संस्थागत कार्यप्रणाली और नैतिक पर्यवेक्षण पर विचार रखे। कुलसचिव डॉ. सुनीता पंकज ने स्वागत किया। पहले दिन कॉर्पोरेट गवर्नेंस, नियामकीय ढांचे और संस्थागत विफलताओं पर तीन सत्र हुए। डॉ. साहू ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस के विकास, डॉ. रूथ वैफेई व आदित्य बहेटी ने नियामकीय संरचना और आशिता मित्तल ने शासन विफलताओं के संस्थागत परिणामों पर चर्चा की।